चालू वित्त वर्ष में 6.6 प्रतिशत रह सकती है भारत की विकास दर

नई दिल्ली, प्रेट्र: वित्तीय सेवाएं देने वाली फर्म डेलाइट इंडिया ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान भारत की विकास दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। डेलाइट का कहना है कि खपत खर्च, निर्यात में सुधार और पूंजी प्रवाह से भारत की विकास दर को लाभ मिलेगा।

भारत के आर्थिक परिदृश्य को लेकर जारी एक रिपोर्ट में डेलाइट का कहना है कि मध्यम-आय वर्ग की संख्या में वृद्धि से क्रय शक्ति में बढ़ोतरी होगी। साथ ही इससे प्रीमियम लक्जरी उत्पादों और सेवाओं की मांग भी सृजित होगी। रिपोर्ट में उम्मीद जताई गई है कि 2030-31 तक प्रत्येक दो में से एक घर मध्यम से उच्च आय वर्ग वाला होगा, वर्तमान में इनकी संख्या चार में से एक है। इस प्रवृत्ति के आगे भी बढ़ने की संभावना है जिससे समग्र निजी उपभोक्ता खर्च में बढ़ोतरी होगी। डेलाइट इंडिया ने बीते वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भी विकास दर के अनुमान के दायरे को बढ़ाकर 7.6 से 7.8 प्रतिशत कर दिया है। इसी वर्ष जनवरी में फर्म ने 2023-24 में विकास दर 6.9 से 7.2 प्रतिशत के दायरे में रहने का अनुमान जताया था। डेलाइट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार का कहना है कि चालू वित्त वर्ष में भारत में पूंजी प्रवाह और निर्यात में उछाल आने की भी संभावना है। वहीं, आर्थिक थिंक टैंक नेशनल इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक फाइनेंस एंड पालिसी (एनआइपीएफपी) ने शुक्रवार को अनुमान जताया कि चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत रह सकती है।

7.6 से 7.8 किया विकास दर का अनुमान वित्त वर्ष 2023-24 के लिए

प्रमुख एजेंसियों का अनुमान (% में)	
आरबीआइ	7
एडीबी	7
फिच रेटिंग्स	7
आइएमएफ	6.8
एसएंडपी ग्लोबल	6.8
मार्गन स्टेनले	6.8